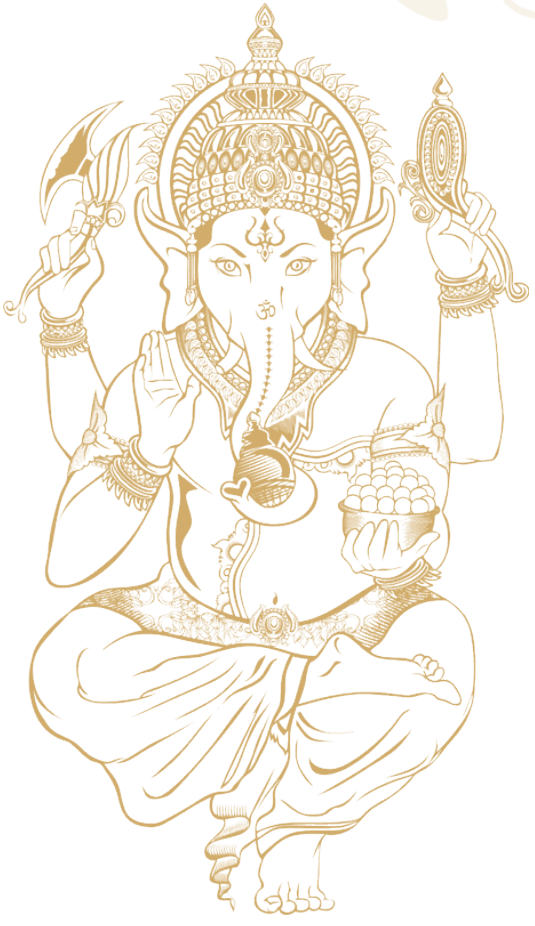

Anshika ojha

21 Dec 1998

09:30 PM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121624203

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/12/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	37:14:54 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:37:44 घंटे
वेलान्तर	00:02:05 घंटे
साम्पातिक काल	03:37:49 घंटे
सूर्योदय	06:36:02 घंटे
सूर्यास्त	17:04:30 घंटे
दिनमान	10:28:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:44:17 धनु
लग्न के अंश	04:32:48 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	04:32:48	316:34:45	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	---
सूर्य			धनु	05:44:17	01:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	07:04:37	12:46:05	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
मंगल			कन्या	19:17:51	00:31:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	14:15:15	01:05:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	26:43:05	00:07:14	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			धनु	18:34:51	01:15:18	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि	व		मेष	02:59:14	00:00:53	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	29:27:38	00:03:47	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	29:27:38	00:03:47	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:36:09	00:02:51	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	06:51:33	00:02:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	14:54:06	00:02:14	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	02:54:43	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:24

लग्न-चलित

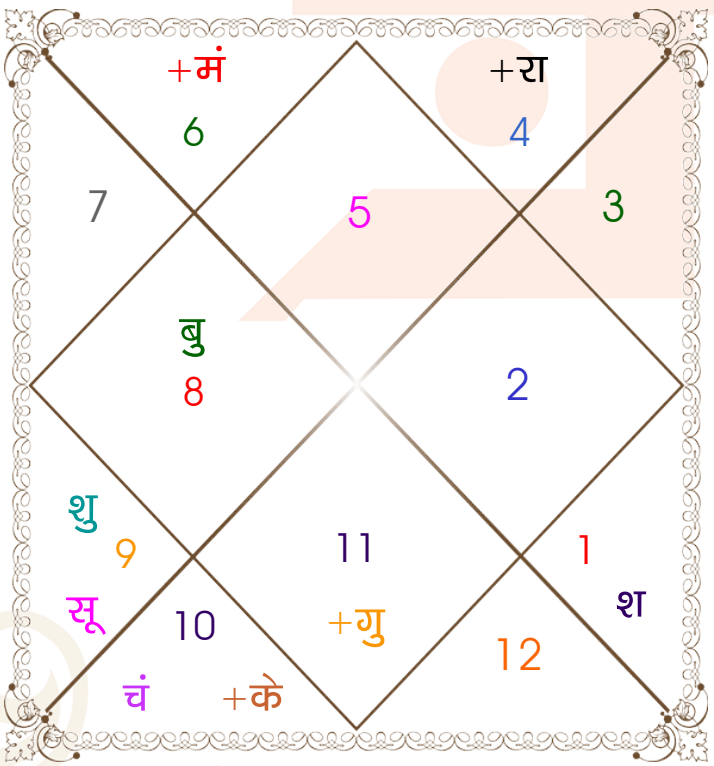

चन्द्र कुंडली

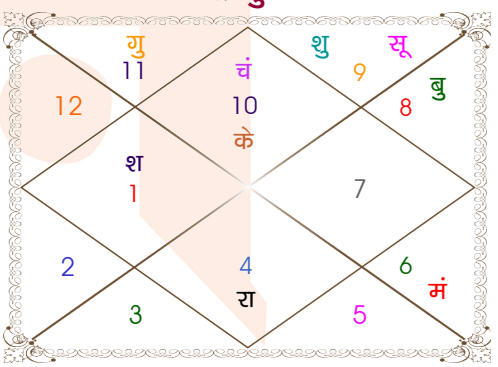

नवमांश कुंडली

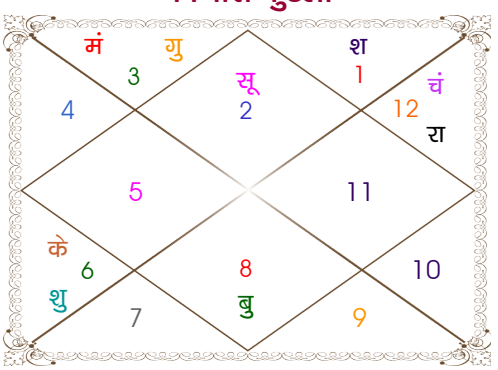

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 3 मास 23 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/12/1998		15/04/2000		15/04/2010		15/04/2017		16/04/2035	
15/04/2000		15/04/2010		15/04/2017		16/04/2035		16/04/2051	
	00/00/0000	चंद्र	13/02/2001	मंगल	11/09/2010	राहु	27/12/2019	गुरु	03/06/2037
	00/00/0000	मंगल	14/09/2001	राहु	30/09/2011	गुरु	22/05/2022	शनि	15/12/2039
	00/00/0000	राहु	16/03/2003	गुरु	05/09/2012	शनि	28/03/2025	बुध	22/03/2042
	00/00/0000	गुरु	15/07/2004	शनि	15/10/2013	बुध	15/10/2027	केतु	26/02/2043
	00/00/0000	शनि	13/02/2006	बुध	12/10/2014	केतु	02/11/2028	शुक्र	27/10/2045
	00/00/0000	बुध	16/07/2007	केतु	10/03/2015	शुक्र	02/11/2031	सूर्य	15/08/2046
	21/12/1998	केतु	14/02/2008	शुक्र	09/05/2016	सूर्य	26/09/2032	चंद्र	15/12/2047
केतु	16/04/1999	शुक्र	15/10/2009	सूर्य	14/09/2016	चंद्र	28/03/2034	मंगल	20/11/2048
शुक्र	15/04/2000	सूर्य	15/04/2010	चंद्र	15/04/2017	मंगल	16/04/2035	राहु	16/04/2051

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/04/2051		15/04/2070		16/04/2087		15/04/2094		16/04/2114	
15/04/2070		16/04/2087		15/04/2094		16/04/2114		00/00/0000	
शनि	18/04/2054	बुध	11/09/2072	केतु	12/09/2087	शुक्र	15/08/2097	सूर्य	04/08/2114
बुध	27/12/2056	केतु	08/09/2073	शुक्र	11/11/2088	सूर्य	15/08/2098	चंद्र	03/02/2115
केतु	04/02/2058	शुक्र	09/07/2076	सूर्य	19/03/2089	चंद्र	16/04/2100	मंगल	10/06/2115
शुक्र	06/04/2061	सूर्य	16/05/2077	चंद्र	18/10/2089	मंगल	16/06/2101	राहु	04/05/2116
सूर्य	19/03/2062	चंद्र	15/10/2078	मंगल	16/03/2090	राहु	16/06/2104	गुरु	20/02/2117
चंद्र	18/10/2063	मंगल	12/10/2079	राहु	03/04/2091	गुरु	15/02/2107	शनि	02/02/2118
मंगल	26/11/2064	राहु	01/05/2082	गुरु	09/03/2092	शनि	16/04/2110	बुध	10/12/2118
राहु	03/10/2067	गुरु	05/08/2084	शनि	18/04/2093	बुध	14/02/2113	केतु	22/12/2118
गुरु	15/04/2070	शनि	16/04/2087	बुध	15/04/2094	केतु	16/04/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 3 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर बृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगी। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति की महिला है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती हैं। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगी। आप चाहती है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपनी मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगी। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगी। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगी कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सकी तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने की अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करती रही तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकती हैं। यथा आपके पति तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकती हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करती रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपके पति को सशंकित करती है। आपको अपने जीवन संगी की आशंकाओं का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन साथी के प्रति विश्वघात करेंगी।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहती हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपकी शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है।

आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।